an>

Title: Regarding fire accidents in Shrawasti and Balarampur districts of Uttar Pradesh.

**श्री दहन मिश्रा (श्रावस्ती):** माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे अपने क्षेत्र की त्रासदी को गरिमामयी सदन में रखने का अवसर प्रदान किया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। आगजनी हमारे क्षेत्र में त्रासदी का रूप लेती जा रही है। मार्च महीने से शुरु होकर जून तक, जब तक बारिश नहीं होती है, मेरे संसदीय क्षेत्र के दोनों जनपदों, बलरामपुर और श्रावस्ती में प्रतिदिन खबरों की सुर्खियां बनती हैं कि फलां गांव में आग लगने से पूरा गांव जलकर स्वाह हो गया और हजारों एकड़ फसल जलकर नÂट हो गई।

मेरे संसदीय क्षेत्र के दोनों जनपद देश के पिछड़े जनपदों में गिने जाते हैं। आज भी वहां खपरैल और फूस के मकान हैं। लोग तिनका-तिनका जोड़कर जीवन के लिए उपयोगी सामान इकट्ठा करते हैं। ऐसी स्थिति उन लोगों के लिए बहुत भयावह होती है।

**माननीय अध्यक्ष :** यह स्टेट मैटर है।

**श्री दहन मिश्रा:** आगजनी के उपरांत हम वहां पहुंचते हैं, एसडीएम, तहसीलदार से बात करते हैं, सर्वेक्षण करते हैं। लोग फसलों के मामले में मंडी पर समिति पर  निर्भर करते हैं। जब हम जानकारी लेते हैं कि क्या कोई सहायता उपलब्ध कराई गई है, तो बताया जाता है कि मंडी समिति को भेज दिया गया है। पूरा गांव जलकर स्वाह हो जाता है और अधिकतम सहायता जो मिलती है, वह ऊंट के मुंह में जीरे के बराबर है।

माननीय अध्यक्ष जी, हमारा देश दुनिया में कितना भी चमक जाए, जब तक ऐसे गरीबों को पक्की छत और जीवन की सुरक्षा नहीं मिलेगी, हम विकास और तरक्की नहीं कर सकते हैं। मेरी मांग है कि प्रत्येक थाना और विकास खंड मुख्यालय पर फायर सब स्टेशन पर स्थापना की जाए ताकि त्वरित राहत प्रदान की जा सके। मेरी यह भी मांग है कि आगजनी को दैवी आपदा घोषित किया जाए और दैवी आपदा में जो भी सहायता संभव हो उपलब्ध कराई जाए। इसके साथ ही प्रत्येक प्रभावित परिवार, जिनका घर जलकर स्वाहा हो जाता है, सरकारी योजनाओं के तहत आवास उपलब्ध कराया जाए।

**माननीय अध्यक्ष:** श्री रोडमल नागर, श्री सुधीर गुप्ता, श्री सी.पी. जोशी,

कुँवर पुÂष्पेन्द्र सिंह चन्देल और श्री भैरों प्रसाद मिश्र को श्री दहन मिश्रा द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।